# Yamakrita Shiva Stuti

# यमकृता शिवस्तुतिः

## Document Information

Text title : Yamakrita Shiva Stuti

File name : shivastutiHyamakRRitA.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyaH saptamAMshaH | adhyAyaH 17 | 202-209||

Latest update : May 3, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanskript**.

May 3, 2024

*sanskritdocuments.org*

# यमकृता शिवस्तुतिः

शिव हर भव भर्ग भीम शम्भो
त्रिणयन शङ्कर शर्व चन्द्रमौले ।
भव शरणमितीरयन्ति ये तान्
भजत मुहुर्विनयेन पूजयध्वम् ॥ २०२॥

पुरहर सुरनाथ मन्मथारे
हरिनयनाम्बुजपूजिताङ्घ्रिपद्म ।
भवशरणमितीरयन्ति ये तान्
भजत मुहुर्विनयेन पूजयध्वम् ॥ २०३॥

निरवधिकरुणासुधैकसिन्धो
गिरिश गिरीश महेश पार्वतीश ।
भव शरणमितीरयन्ति ये तान्
भजत मुहुर्विनयेन पूजयध्वम् ॥ २०४॥

धृतभसितभुजगराजहार
प्रियहरिवल्लभ दिव्यनीलकण्ठ ।
भव शरणमितीरयन्ति ये तान्
भजत मुहुर्विनयेन पूजयध्वम् ॥ २०५॥

विनिहतनरसिह्मचण्डगर्व
स्फुरदुरुकन्धरकन्धराग्निमूर्ते ।
भव शरणमितीरयन्ति ये तान्
भजत मुहुर्विनयेन पूजयध्वम् ॥ २०६॥

विनिहतविधिमुण्डमुण्डमाला-
कलन कराल लोलशूलपाणे ।
भव शरणमितीरयन्ति ये तान्
भजत मुहुर्विनयेन पूजयध्वम् ॥ २०७॥

विविधविभव वेदगीतकीर्ते
श्रुति विहित विनोदिताष्टमूर्ते ।
भव शरणमितीरयन्ति ये तान्
भजत मुहुर्विनयेन पूजयध्वम् ॥ २०८॥

शरणद शिपिविष्ट कालकाल
त्रिदशवरामरसेवितङ्घ्रिपीठ ।
भव शरणमितीरयन्ति ये तान्
भजत मुहुर्विनयेन पूजयध्वम् ॥ २०९॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते यमकृता शिवस्तुतिः सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् उग्राख्यः सप्तमांशः । अध्यायः १७ । २०२-२०९ ॥

- .. shrIshivarahasyam ugrAkhyaH saptamAMshaH . adhyAyaH 17 . 202-209 ..

Encoded and proofread by Ruma Dewan

---

*Yamakrita Shiva Stuti*
pdf was typeset on May 3, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*